दैनिक नज़रिया खबर

भारत सरकार के डीएवीपी व राज्य सरकार द्वारा विज्ञापन के लिए मान्यता प्राप्त

पेज-08

RNI:UTTHIN/2008/25052

वर्ष:18 | अंक: 17 | देहरादून, बुधवार 16 जुलाई, 2025 | पृष्ठ: 08 | मूल्य: 1/रु. प्रति

न्यूज डायरी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला से की मुलाकात

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को नई दिल्ली में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने श्री बिड़ला को उत्तराखंड के चारधाम का प्रसाद भेंट किया और देवभूमि उत्तराखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाते हुए राज्य के विभिन्न स्थानीय उत्पाद भी उन्हें भेंट किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड राज्य चारधाम, प्राकृतिक सुंदरता एवं आध्यात्मिकता का प्रतीक है।

हरेला पर्व पर राज्यपाल ने दी प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने प्रदेश की जनता को हरेला पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि हरेला उत्तराखण्ड की परंपरा, संस्कृति और प्रकृति प्रेम का प्रतीक पर्व है, जो हमें हरियाली से जुड़ने और पर्यावरण की रक्षा करने की प्रेरणा देता है। राज्यपाल ने कहा कि हरेला हमारे जीवन में हरियाली, समृद्धि और शांति लाने वाला पर्व है। यह हमें पेड़–पौधों, जल, जमीन और पर्यावरण से जुड़ने का अवसर देता है। हम सभी को मिलकर इस परंपरा को आगे बढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज जब दुनिया ग्लोबल वार्मिंग और प्रदूषण जैसी गंभीर समस्याओं का सामना कर रही है, ऐसे समय में हरेला पर्व हमें एकजुट होकर प्रकृति की रक्षा करने का संदेश देता है। राज्यपाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल "एक पेड़ माँ के नाम" की सराहना करते हुए सभी से अपील की कि इस हरेला पर्व पर एक–एक पेड़ अवश्य लगाएं।

राज्यपाल ने हरिद्वार पहुंचकर कांवड़ यात्रा पर आये श्रद्धालुओं को रुद्राक्ष की माला पहनाकर स्वागत किया

हरिद्वार (नजरिया खबर ब्यूरो)। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने डामकोठी में जिला प्रशासन की बैठक लेकर कांवड़ यात्रा के सफल संचालन हेतु जिला प्रशासन द्वारा की गई तैयारियों, व्यवस्थाओं तथा चुनौतियों के बारे में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने कांवड़ यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए प्रशासन द्वारा की गई तैयारियों की भूरी–भूरी प्रशंसा की। उन्होंने जिला प्रशासन का हौसला अफजाई करते हुए कहा कि प्रभु ने श्रद्धालुओं की सेवा का बहुत ही सुन्दर अवसर दिया है।

उन्होंने कहा कि विश्व के कई देशों की इतनी जनसंख्या नहीं है, जितने कांवड़ यात्रियों को प्रशासन द्वारा इन 13 दिनों में डील किया जायेगा। उन्होंने मार्गदर्शित करते हुए कहा कि कांवड़ यात्रा पर आधारित कॉफी टेबल बुक 2025 बनाई जाये जिसमें तैयारियों, चुनौतियों, आस्था सहित सभी पहलुओं का समावेशन हो। उन्होंने मार्गदर्शित करते हुए कहा कि किसी भी यात्रा के साथ तीन चीजें– यादें, भावनाएं तथा प्रेरणा जुड़ी होती है। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि देवभूमि उत्तराखण्ड में कांवड़ यात्रा पर आने वाले

कांवड़ियों को पटका व रूद्राक्ष की माला पहनाकर स्वागत करते राज्यपाल।

कांवड़ यात्रा के लिए ऋषि-मुनियों द्वारा बनाए नियमों का पालन करने व उनके पद चिन्हों पर चलने की अपील की

श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की समस्या न हो और यात्रा पर आने वाले श्रद्धालु देवभूमि से सुःखद यादें व सुःखद अनुभव लेकर जायें। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति समस्या के समाधान की ओर जाता है, समाधान खुद उस व्यक्ति की ओर चलकर आता है। उन्होंने कहा कि ज्यादातर जटिल समस्याओं का समाधान बहुत ही सरल होता है।

राज्यपाल ने कहा कि यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न होने पर समस्या का उसी स्थान पर त्वरित गति से समाधान की दिशा में कार्य किया जाये। उन्होंने मैनेजमेंट में ट्रैफिक रेगुलेशन, स्वास्थ्य और जितनी भी सुविधाएं हैं, उनमें किस प्रकार और अधिक इंप्रूवमेंट किया जाये।

शेष खबर पेज आठ पर देखे

मुख्यमंत्री धामी ने की केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल से भेंट

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को देर सांय नई दिल्ली में केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल से भेंट की। मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री से उत्तराखण्ड के सामाजिक एवं आर्थिक विकास को गति प्रदान करने के लिये मा0 सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के क्रम में विशेषज्ञ समिति द्वारा संस्तुति की गई। राज्य की 21 जल विद्युत परियोजनाओं में 5 जल विद्युत परियोजनाओं के क्रियान्वयन का अनुरोध किया। केंद्रीय मंत्री ने मुख्यमंत्री को सकारात्मक कार्यवाही के प्रति आश्वस्त किया।

डीएम ने एक बार फिर पेश की मानवता की मिसाल, असहाय, अनाथ और लाचार राजू को दिया सहारा

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। डीएम सविन बंसल हमेशा ही असहाय, निर्बल, निर्धन और अनाथ लोगों की मदद के लिए तत्पर रहते है। एक नही अनेक ऐसे कार्य है जो डीएम ने कमजोर वर्ग के उत्थान हेतु शुरू किए है। इनसे असहाय लोगों को एक बेहतर सहारा भी मिल रहा है। डीएम सविन बंसल ने एक बार फिर मानवता की मिसाल पेश की है। दरअसल असहनीय पीड़ा से छटपटाते हुए अचानक राजू नाम का एक व्यक्ति डीएम दफ्तर पहुंचा। कहा "साहिब मेरा नाम राजू है। मेरे कोई भी अपना नही है, लावारिस हूँ।

राजू।

गढ़वाल से आया हूँ। मेरे हाथ पर गरम पानी गिरने से हाथ जल गया है। इलाज की जरूरत है। बहुत दर्द हो रहा है। अस्पताल में कोई डॉक्टर नहीं सुन रहा, बहुत परेशान हूँ, हाथ की सर्जरी होनी है। पैसा नही है, मदद करों। अपने रुंधे कंठ से ये कहते कहते राजू की आंखें दर्द के आंसुओं से छलक उठी।

जिलाधिकारी सविन बंसल ने पूरी संवेदना के साथ असहाय, अनाथ राजू की मार्मिक व्यथा सुनी। राजू के अधजले हाथ के असीमित और असहनीय पीड़ा को महसूस किया और बिना वक्त जाया करते राजू के उपचार हेतु फोन पर चिकित्सकों से परामर्श किया। दून अस्पताल ने राजू के हाथ की गंभीर हालत को देखते हुए हायर सेंटर रेफर करने की सलाह दी। जिलाधिकारी ने सहस्रधारा आईटी पार्क स्थित एक निजी अस्पताल में स्पेशलिस्ट चिकित्सक डॉ कुश से वार्ता की और राजू को तत्काल प्रशासन के सारथी वाहन से चिकित्सक के पास पहुंचाया। जहां अब राजू के अधजले हाथ का मुफ्त इलाज हो रहा है।

एक दिन अचानक उसके हाथ में गरम पानी गिरने से उसका पूरा हाथ जल गया। उपचार के लिए दर–दर ठोकरें खाता रहा। जब कही से भी मदद नही मिली, तो एक आस और उम्मीद के साथ देहरादून डीएम के पास आया। आखिर देहरादून डीएम ने मेरी पीड़ा को समझा और मुझे सहारा दिया।

संपादकीय

सरकारी स्कूलों में प्रतिदिन होगा गीता श्लोकों का पाठ अनिवार्य

पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक शिक्षा के साथ जोड़ने के उद्देश्य से, उत्तराखंड सरकार ने सभी सरकारी स्कूलों में श्रीमद्भगवद्गीता के श्लोकों का दैनिक पाठ अनिवार्य कर दिया है। तुरंत प्रभाव से, राज्य भर के छात्र सुबह की प्रार्थना के दौरान गीता के एक श्लोक से अपना दिन शुरू करेंगे। माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. मुकुल कुमार सती द्वारा सभी मुख्य शिक्षा अधिकारियों को जारी निर्देश में कहा गया है कि छात्रों को प्रतिदिन पढ़े जाने वाले श्लोक के अर्थ और वैज्ञानिक प्रासंगिकता के बारे में भी जानकारी दी जानी चाहिए। इस कदम का उद्देश्य आधुनिक शिक्षा को पारंपरिक भारतीय ज्ञान प्रणालियों के साथ मिलाना और छात्रों में मानवीय मूल्यों और चरित्र निर्माण के गुणों का विकास करना है। अधिकारियों का कहना है कि इसका उद्देश्य छात्रों के बौद्धिक, भावनात्मक और नैतिक विकास को पोषित करते हुए मूल्य–आधारित शिक्षा मॉडल को बढ़ावा देना है। दिशानिर्देशों के अनुसार, शिक्षकों को ष्सप्ताह का एक श्लोकष् चुनना होगा, उसे अर्थ सहित स्कूल के नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित करना होगा, और छात्रों द्वारा नियमित रूप से उसका पाठ सुनिश्चित करना होगा। प्रत्येक सप्ताह के अंत में, चयनित श्लोक पर कक्षाओं में चर्चा की जाएगी और छात्रों की प्रतिक्रिया एकत्र की जाएगी, जिससे उनकी समझ और जुड़ाव को गहरा करने में मदद मिलेगी। निर्देश में इस बात पर जोर दिया गया है कि गीता के श्लोक केवल पढ़ने तक सीमित न रहें, बल्कि छात्रों के दैनिक आचरण और दृष्टिकोण को प्रभावित करें। यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप है, जो भारत की पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों को समकालीन शिक्षा में शामिल करने की वकालत करती है। आदेश में कहा गया है कि गीता की शिक्षाएँ मनोविज्ञान, तर्कशास्त्र, व्यवहार विज्ञान और नैतिक दर्शन पर आधारित हैं, और इन्हें धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण से पढ़ाया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पहले राज्य के पाठ्यक्रम में भगवद् गीता और रामायण की शिक्षाओं को शामिल करने का आह्वान किया था। आगामी शैक्षणिक सत्र में इन परिवर्तनों को दर्शाने वाली नई पाठ्यपुस्तकें शुरू किए जाने की उम्मीद है।

हरेला पर्व की पूर्व संध्या पर कृषि मंत्री गणेश जोशी ने किया फलदार पौधों का वितरण

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। उत्तराखण्ड की पर्यावरण एवं सांस्कृतिक परंपरा के प्रतीक हरेला पर्व की पूर्व संध्या पर देहरादून के न्यू कैंट रोड़ में आयोजित फलदार पौध वितरण कार्यक्रम में प्रदेश के कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने प्रतिभाग किया। यह कार्यक्रम उद्यान विभाग द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें आम, लीची, अमरूद, नींबू, अनार, कटहल जैसी विभिन्न फल प्रजातियों के पौधों का निःशुल्क वितरण किया गया।

मंत्री गणेश जोशी पौधे वितरित करते हुए।

इस अवसर पर कृषि मंत्री गणेश जोशी ने लोगों को हरेला पर्व की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व उत्तराखण्ड की सांस्कृतिक पहचान के साथ–साथ पर्यावरण संरक्षण का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हरेला केवल एक पर्व नहीं, बल्कि यह प्रकृति से हमारे जुड़ाव और जिम्मेदारी का उत्सव है। हमें केवल पौधारोपण नहीं, बल्कि उनकी देखभाल का भी संकल्प लेना होगा। कृषि मंत्री ने कहा कि उद्यान विभाग द्वारा वर्ष 2025–26 में प्रदेशभर में 15 लाख फलदार पौधों के रोपण का लक्ष्य रखा गया है, जिनमें से 07 लाख पौधे निःशुल्क योजनान्तर्गत वितरित किए जाएंगे। इस क्रम में आज देहरादून जनपद से इस अभियान की शुरुआत की गई।

उन्होंने कहा कि विगत वर्ष 2024–25 में राज्य में 11.34 लाख फलदार पौधे वितरित किए गए थे और इस बार इससे भी अधिक व्यापक स्तर पर अभियान चलाया जाएगा। मंत्री ने बताया कि राज्य में स्थापित राजकीय, एनएचबी मान्यता प्राप्त एवं निजी पंजीकृत पौधशालाओं से इस वर्ष 8.62 लाख पौधों का आवंटन जनपदों को किया जा चुका है। उद्यान विभाग द्वारा संचालित योजनान्तर्गत इच्छुक लाभार्थियों को 3–5 पौधे तथा राजकीय विद्यालयों व संस्थानों को 100–100 पौधे निःशुल्क उपलब्ध कराए जा रहे हैं। मंत्री ने निर्देश दिए कि पौधों के वितरण से लेकर रोपण और देखभाल तक की पूरी प्रक्रिया सुनियोजित व प्रभावी होनी चाहिए। मंत्री जोशी ने प्रदेशवासियों विशेषकर युवाओं से अपील की कि वे इस अभियान में बढ़–चढ़कर भाग लें और उत्तराखण्ड को औद्यानिक प्रदेश के रूप में विकसित करने में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि ष्हरेला पर्व हम सभी के लिए एक अवसर है, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता जताने और भविष्य की पीढ़ियों के लिए सुरक्षित पर्यावरण की नींव रखने का।

गुरु पूणिमा पर्व -गुरुवार और गुरु पूर्णिमा का संयोग अत्यंत दुर्लभ और अत्यधिक शुभ माना जाता है।

गुरु के चरणों में अपने समस्त अहंकार घमंड अभिमान भ्रष्टाचारी मानसिकता अर्पित कर दें यही हमारी सच्ची गुरु दक्षिणा होगी

गोंदिया। गुरु मेरी पूजा गुरु गोविंद गुरु मेरा पारब्रह्म गुरु भगवंत,गुरु मेरा ज्ञान ह्रदय ध्यान गुरु गोपाल पुरख भगवान,गुरु जैसा नहीं को देव, जिस मस्तक भाग सो लागा सेव इत्यादि माननीय गुरुवर की महिमा के अनेक आध्यात्मिक भजन हम अनेक बार शिद्दत से सुनते गाते आ रहे हैं क्योंकि भारतमाता की मिट्टी से ही मानवीय जीव की रग रग में आध्यात्मिकता, माता पिता गुरुवर के प्रति सम्मान आस्था समर्पण का भाव समाया हुआ है।

मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र ऐसा मानता हूं कि जितनी आध्यात्मिकता की श्रद्धा भारत में है शायद ही यह विश्व के किसी भी अन्य देश में होगी।यहां सदियों से माता–पिता और आचार्य को गुरु का दर्जा दिया जाता है भारतीय संस्कृति की पहचान है कि,मातृमान् पितृमानाचार्यवान पुरूषो वेदः।श(अर्थात, जब तीन उत्तम शिक्षक अर्थात एक माता, दूसरा पिता और तीसरा आचार्य हो तो तभी मनुष्य ज्ञानवान होगा।) श्प्रशस्ता धार्मिकी विदुषी माता विद्यते यस्य स मातृमान। पितृ देवो भव। आचार्य देवो भव। अतिथि देवों भव। अर्थात् माता को, पिता को, आचार्य को और अतिथि को देवता के समान मानकर उनके साथ व्यवहार करो। गुरुर्ब्रह्मा ग्रुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः। गुरुः साक्षात् परं ब्रह्म तस्मै श्री गुरवे नमः।।गुरु ब्रह्मा है, गुरु विष्णु है, गुरू महेश्वर अर्थात भगवान शंकर है। गुरु ही साक्षात परम ब्रह्म सर्वशक्तिमान है, ऐसे गुरु को मेरा नमस्कार। (उक्त श्लोक में गुरू की महत्ता स्पष्ट करते हुए गुरु को परम ईश्वर के तुल्य बताकर वंदना की गई है।)गुरु कृपा और आध्यात्मिक विकास गुरु पूर्णिमा का मूल उद्देश्य ही होता है, गुरु के प्रति श्रद्धा और आत्मा का शुद्धिकरण।इस दिन का आयोजन व्यक्ति के आध्यात्मिक उत्थान, साधना में सफलता और चित्त की स्थिरता लाने मेंसहायक होता है। विद्यार्थियों को विद्या, स्मरण शक्ति और अनुशासन की प्राप्ति होती है, वहीं साधकों को ध्यान, जप, और तप में मन की एकाग्रता मिलती है। यह दिन आत्मबोध और जीवन के सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।इसलिए आज गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर हम माता पिता गुरु की विस्तार से चर्चा इस आर्टिकल के माध्यम से करके उसे पर अमल जरूर करेंगे।

साथियों बात अगर हम गुरु शिष्य परंपरा की करें तो,गुरु–शिष्य परम्परा आध्यात्मिक ज्ञान को नई पीढ़ियों तक पहुंचाने का सोपान है। भारतीय संस्कृति में गुरु–शिष्य परम्परा के अन्तर्गत गुरु अपने शिष्य को निस्वार्थ भाव से शिक्षा देता है। जिसके बदले में शिष्य अपने गुरु को शिक्षा समाप्त होने पर गुरुदक्षिणा देता है। बाद वही शिष्य अपने गुरु के बताये हुए मार्गदर्शन पर चलकर समाज सेवा करता है। या फिर गुरु बनकर दूसरों को शिक्षा देता है। जिससे यह कर्म चलता रहता है। गुरु–शिष्य की यह परम्परा ज्ञान के किसी भी क्षेत्र में हो सकती है। जैसे अध्यात्म, संगीत, कला, वेदाध्ययन, वास्तु ,विज्ञान, चिकित्सा आदि। प्राचीन समय में गुरु आश्रमों में अपने शिष्यों को शिक्षा दिया करते थे। उस समय उनके बीच मधुर सम्बन्ध हुआ करते थे। प्राचीन समय में गुरु शिष्य के बीच अगाध प्रेम हुआ करता था। शिष्य अपने गुरु के प्रति पूर्ण श्रद्धा व समर्पण का भाव रखता था। गुरु निस्वार्थ भाव से अपने शिष्य को शिक्षा दिया करते थे। गुरु और शिष्य के बीच केवल शाब्दिक ज्ञान का ही आदान प्रदान नहीं होता था बल्कि गुरु अपने शिष्य के संरक्षक के रूप में भी कार्य करता था।अतः गुरु कभी भी अपने शिष्य का अहित नहीं चाहता है। वह हमेशा अपने शिष्य का भला सोचता है। शिष्य का यही विश्वास गुरु के प्रति उसकी अगाध श्रद्धा और समर्पण का कारण रहा है। साथियों बात अगर हम वर्तमान परिपेक्ष्य की करें तो जितना माता–पिता और आचार्य को देव समझने वाली इस भव्य भारतीय संस्कृति का गुणगान किया जाए उतना ही कम है परंतु वर्त्तमान समय में यह स्थिति बिल्कुल उलट है। आज आश्रमों की जगह स्कूल कॉलेज ने ले ली है। और गुरु शिष्य का सम्बन्ध वैसा नहीं रहा जैसा प्राचीन समय में रहता था। आज गुरु शिष्य के सम्बन्ध सही नहीं है। और गुरु शिष्य का सम्बन्ध स्वार्थ से पूर्ण हो गया है। गुरु शिष्य परम्परा समाप्त सी हो गयी है।इस कराल काल में आज भौतिकवाद के प्रभाव में व्यक्तिवादी भोगवादी तथा स्वार्थपरायणता का तांडव नृत्य हो रहा है वहां मानव जीवन में इन दिव्य और उदार विचारों की विलुप्तता की ओर कदम बढ़ाने को रेखांकित करना जरूरी है। कदाचित कुछ संस्कारी परिवार उपरोक्त संस्कृति के श्लोकों और विचारों का सिंचन अपनी पीढ़ी में करते भी होंगे परंतु पाश्चात्य संस्कृति के बदलते प्रभाव को रोकने के लिए बड़े बुजुर्गों बुद्धिजीवियों को आगे आकर जागरूक करने और एक्शन उठाने का समय आ गया है।

साथियों जिस तरह एक बच्चे की माँ उसकी प्रथम गुरु होती है जिसे वो खाना पीना, बोलना, चलना, आदि तौर तरीके सिखाती है। ठीक उसी तरह गुरु अपने शिष्य को जीवन जीने का तरीका बताता है। उसे सफलता के हर वो पहलु बताता है जो उसके लिए उपयुक्त हो। इस संसार सागर में सफलता पाने के लिए हर किसी को गुरु की आवश्यकता होती है। गुरु के बिना सफलता प्राप्त नहीं की जा सकती है। एक गुरु ही होता है जो निस्वार्थ भाव से अपने शिष्य को अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाता है। तभी तो गुरु शब्द में "गु" का अर्थ अंधकार (अज्ञान) और "रु" का अर्थ प्रकाश (ज्ञान) होता है। भारतीय संस्कृति में गुरु का बहुत महत्व है। इसीलिए गुरु को 'ब्रह्मा–विष्णु–महेश' कहा गया है तो कहीं 'गोविन्द'। इस दुनिया में ऐसा कोई इंसान नहीं है जो बिना गुरु के सफल हुआ हो।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि गुरु पूर्णिमा पर्व 10 जुलाई 2025–गुरुवार और गुरु पूर्णिमा का संयोग अत्यंत दुर्लभ और अत्यधिक शुभ माना जाता है।गुरुर्ब्रह्मा ग्रुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः।गुरुः साक्षात् परं ब्रह्म तस्मै श्री गुरवे नमः।।गुरु के चरणों में अपने समस्त अहंकार घमंड अभिमान भ्रष्टाचारी मानसिकता अर्पित कर दें यही हमारी सच्ची गुरु दक्षिणा होगी।

लेखक – कर विशेषज्ञ स्तंभकार
एडवोकेट किशन सनमुखदास
भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

16 July 2025_Copy of Layout 1 7/16/2025 1:52 PM Page 3

उत्तराखण्ड शासन

देवभूमि रजत उत्सव

पर्यावरण को समर्पित
देवभूमि उत्तराखण्ड के लोक पर्व

"हरेला"

की आप सभी को
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

एक पेड़ माँ के नाम

धरती पर हरियाली हो
जीवन में खुशहाली हो
आओ सब मिलकर पेड़ लगाएं

एक पेड़ माँ के नाम
अभियान के तहत भी
रोपे जाएंगे पौधे

"हरेला का त्योहार मनाओ,
धरती मां का ऋण चुकाओ"

पर्यावरण सुरक्षित तो
हम सुरक्षित

"उत्तराखण्ड प्रकृति के बेहद करीब है। ऐसे में हम सभी की जिम्मेदारी बनती है कि पर्यावरण का संरक्षण करें। हरेला पर्व के साथ ही एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत संपूर्ण प्रदेश में वृहद स्तर पर सार्वजनिक स्थानों, वनों, नदियों, गाड, गदेरों के किनारे, स्कूलों, कॉलेज, विभागीय परिसर, सिटी पार्क, आवासीय परिसर में पौधरोपण किया जाएगा।"

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

एक ही दिन पूरे प्रदेश में रोपे जाएंगे
05 लाख पौधे

गढ़वाल मंडल में
03 लाख

कुमाऊं मंडल में
02 लाख

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी
www.uttarainformation.gov.in uttarakhandDIPR DIPR_UK uttarakhand DIPR

#Plant4mother | #एक_पेड़_मां_के_नाम

राज्यपाल व स्वास्थ्य मंत्री ने टीबी मुक्त भारत अभियान में उत्कृष्ट योगदान देने वाले लोगों को किया सम्मानित

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने मंगलवार को राजभवन में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तराखण्ड द्वारा आयोजित ''टीबी मुक्त भारत अभियान'' के अंतर्गत पुरस्कार समारोह में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने टीबी रोगियों को गोद लेकर नियमित निगरानी और मानसिक संबल प्रदान कर रोगियों के स्वस्थ होने में मदद करने वाले 13 निःक्षय मित्रों को सम्मानित किया। वहीं उन्होंने 13 ट्रीटमेंट सपोर्टस को भी स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया, जिन्होंने जमीनी स्तर पर कार्य कर, रोगियों के उपचार की नियमित मॉनिटरिंग और उनकी समुचित देखभाल की। इस दौरान राज्यपाल ने टीबी उन्मूलन की दिशा में उत्कृष्ट कार्य करने वाले जनपदों देहरादून, चम्पावत और रुद्रप्रयाग को भी सम्मानित किया। उन्होंने टीबी रोग से स्वस्थ हुए 'टीबी चैंपियनों' को भी सम्मानित किया और गोद लिए गए टीबी मरीजों को पोषण किट प्रदान की। राज्यपाल ने अपने संबोधन में कहा कि टीबी उन्मूलन केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए जनभागीदारी और सामूहिक संकल्प आवश्यक है। उन्होंने कहा कि टीबी से स्वस्थ हुए लोग असली योद्धा हैं और समाज के लिए प्रेरणा बन सकते हैं। इस अवसर पर राज्यपाल ने टीबी उन्मूलन के क्षेत्र में कार्य कर रहे सभी लोगों, स्वयं सेवी संस्थाओं और स्वास्थ्य विभाग के प्रयासों की सराहना की और कहा कि इन सभी लोगों की मेहनत से हमारा प्रदेश अग्रणी राज्यों में है। राज्यपाल ने बताया कि उन्हें भी निःक्षय मित्र बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है, और अब तक उन्होंने 75 टीबी रोगियों को गोद लिया है, जिनमें से 62 मरीज पूरी तरह स्वस्थ हो चुके हैं। उन्होंने समाज के सामर्थ्यवान व्यक्तियों से अपील की कि वे भी आगे आकर निःक्षय मित्र बनें और इस अभियान को गति दें। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग से आग्रह किया कि जानकारी के अभाव में कोई भी रोगी उपचार से वंचित न रहे। यह सुनिश्चित किया जाए कि अभियान अंतिम छोर तक पहुंचे और प्रत्येक रोगी को समुचित देखभाल एवं उपचार मिल सके। राज्यपाल ने आशा व्यक्त की कि सभी के सम्मिलित प्रयासों से प्रदेश को 2025 में टीबी मुक्त बनाने में सफल होंगे।

टीबी मुक्त भारत अभियान में उत्कृष्ट योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित करते राज्यपाल।

इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि 2025 तक उत्तराखण्ड को पूरी तरह से टीबी मुक्त बनाना और इस राष्ट्रीय प्रयास में अग्रणी भूमिका निभाना है। हम इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और इसके लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि टीबी मुक्त अभियान को 01 अगस्त, 2025 से राज्य भर में एक व्यापक अभियान शुरू किया जाएगा। इस अभियान के तहत सभी नगर पंचायतों के वार्डों और नगर निगमों के सभी पार्षद वार्डों में विशेष शिविर (कैंप) लगाए जाएंगे।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर बांटे गए चुनाव चिन्ह

देहरादून। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर जारी संशोधित अधिसूचना के अनुसार 14 जुलाई को पहले चरण में मतदान को लेकर चुनाव चिन्ह का आवंटन किया जाना था। लेकिन मामला नैनीताल हाईकोर्ट में होने की वजह से राज्य निर्वाचन आयोग ने 13 जुलाई को चुनाव चिन्ह आवंटन की प्रक्रिया को 14 जुलाई की दोपहर 2:00 तक के लिए रोक दिया था। ऐसे में 14 जुलाई को नैनीताल हाईकोर्ट में हुई सुनवाई के बाद राज्य निर्वाचन आयोग ने चुनाव प्रक्रिया को जारी अधिसूचना के अनुसार ही करने का निर्णय लिया है। इसके तहत, 14 जुलाई को दोपहर 2:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक चुनाव चिन्ह आवंटित किया जाएगा। साथ ही बचे हुए चुनाव चिन्ह आवंटन का कार्य 15 जुलाई को सुबह 8:00 बजे से कार्य समाप्ति तक चलेगा। दरअसल, 14 जुलाई को नैनीताल हाईकोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान नैनीताल हाईकोर्ट ने इस बात को कहा है कि हाईकोर्ट ने त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की चुनावी प्रक्रिया पर रोक नहीं लगाई है।

पिथौरागढ़ में सुनी पुल के पास जीप नदी में गिरी, आठ लोगों की मौत, छह घायल

पिथौरागढ़ (नजरिया खबर ब्यूरो)। पिथौरागढ़ में मंगलवार शाम दर्दनाक हादसा हो गया। मुवानी कस्बे से बोकटा जा रही जीप सुनी पुल के पास नदी में गिर गई। बताया जा रहा है कि हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई। मृतकों में दो स्कूली बच्चे भी शामिल हैं। वहीं, छह लोग घायल हुए हैं।

जानकारी के अनुसार, शाम करीब पांच बजे जिला मुख्यालय से लगभग 52 किलोमीटर दूर यह हादसा हुआ है। वाहन में करीब 14 लोग थे। जीप के नदी में गिरते ही चीख पुकार मच गई। आठ लोगों की जान जा चुकी है। वहीं, तीन यात्री गंभीर रूप से घायल हैं। स्थानीय ग्रामीणों और पुलिस की मदद से राहत–बचाव कार्य चलाया जा रहा हघायलों को नदी से निकालकर सड़क तक पहुंचाने के बाद जिला अस्पताल भेजा गया है। सभी मृतक बोकटा के बताए जा रहे है। हादसे के बाद बोकटा गांव में कोहराम मचा हुआ है।

हादसे के मृतकों में सिमरन (8) पुत्री कुंदन सिंह, तनुजा (14) पुत्री चंद्र सिंह, विनीता (15) पुत्री चंद्र सिंह, नरेंद्र सिंह (40) पुत्र चंद्र सिंह (चालक), राजन सिंह (60) पुत्र किशन सिंह, होशियार सिंह (65) पुत्र भीम सिंह, शान्ति देवी (50) पत्नी केशव राम, दीक्षा (26) पत्नी पंकज बोरा शामिल हैं। घायलों में विनीता(20) पुत्री बहादुर सिंह बोकटा गांव, योगेश कुमार पुत्र किशन राम छात्र, श्याम सिंह मुनौला (35) पुत्र बहादुर सिंह, दीवान सिंह (55) पुत्र भीम सिंह, सुमित सिंह(22) पुत्र प्रवीण सिंह व पूजा मुनौला (30) पत्नी कुंदन सिंह मुनौला शामिल हैं।।

सीएम धामी ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से की भेंट

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को नई दिल्ली में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से शिष्टाचार भेंट की। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री से उत्तराखण्ड में एम्स ऋषिकेश से संचालित एयर एम्बुलेंस सेवा के विस्तार के साथ ही राज्य के पहाड़ी और दुर्गम क्षेत्रों में आपातकालीन सेवाओं के लिए एक अतिरिक्त हेलीकॉप्टर उपलब्ध कराए जाने का अनुरोध किया।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री से आयुष्मान भारत योजना के तहत प्रति एसईसीसी परिवार केंद्रीय योगदान को ₹1,052 से बढ़ाकर ₹1,500 करने का आग्रह करने के साथ ही चार धाम यात्रा में एम्स के विशेषज्ञों के योगदान और स्नातकोत्तर डॉक्टरों के रेजिडेंसी (क्त्) में यात्रा ड्यूटी सम्मिलित करने के लिए आभार व्यक्त किया।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से भेंट करते सीएम।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में दो नए मेडिकल कॉलेज का निर्माण कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है।

इसी क्रम में जगजीवन राम मेडिकल कॉलेज, पिथौरागढ़ और पं. राम सुमेर शुक्ल मेडिकल कॉलेज, रुद्रपुर, शैक्षणिक वर्ष 2026–27 से शिक्षण कार्य प्रारंभ करने के लिए नेशनल मेडिकल कमीशनध्भारत सरकार के पास आवेदन करेंगे। मुख्यमंत्री ने इन दोनों मेडिकल कॉलेज के संचालन के लिए आवश्यक मंजूरी प्रदान करने के साथ ही टीएचडीसी के सहयोग से निर्माणाधीन टिहरी मेडिकल कॉलेज की भी आवश्यक अनुमतियां शीघ्र प्रदान करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने श्रीनगर मेडिकल कॉलेज में अत्याधुनिक ट्रॉमा सेंटर की स्थापना और उसके सुचारू संचालन के लिए भारत सरकार से तत्काल सहायता का विनम्र अनुरोध है।

तकनीकी शिक्षा में गुणवत्ता और रोजगारपरकता को प्राथमिकता दें: मुख्यमंत्री पुष्कर धामी

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को तकनीकी शिक्षा विभाग की वर्चुअल समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया कि राज्य के युवाओं को औद्योगिक संस्थानों की मांग के अनुरूप विभिन्न ट्रेडों में प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाए।

उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और रोबोटिक्स जैसे अत्याधुनिक विषयों पर आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रमों को भी प्राथमिकता दी जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि अधिक से अधिक प्रशिक्षणार्थियों को कैम्पस प्लेसमेंट के माध्यम से रोजगार के अवसर प्राप्त हों। साथ ही, छात्रों को उद्योगों का शैक्षणिक भ्रमण कराया जाए, जिससे उन्हें व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि तकनीकी संस्थानों में प्रशिक्षण की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने के लिए आईआईटी रूड़की के सहयोग से कार्य किया जाए। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, रूड़की का उपयोग राज्य के युवाओं के हित में अधिकतम रूप से कैसे किया जा सकता है, इस पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए नियमित रोजगार मेलों का आयोजन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, योजनाएं बनाते समय आउटकम इंडिकेटर्स (परिणाम सूचकांकों) को विशेष रूप से ध्यान में रखा जाए, जिससे योजनाओं का वास्तविक प्रभाव स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य उत्तराखण्ड को वर्ष 2030 तक सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की दिशा में अग्रसर करना है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए युवाओं को तकनीकी कौशल, सॉफ्ट स्किल्स, उद्यमिता और नवाचार के क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन प्लेसमेंट पोर्टल, कैरियर मार्गदर्शन, संकाय उन्नयन, इंटर्नशिप और विदेशी भाषाओं के प्रशिक्षण जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से न केवल राज्य में बल्कि विदेशों में भी रोजगार एवं उच्च शिक्षा के अवसर सुनिश्चित किए जा रहे हैं।

16 July 2025_Copy of Layout 1 7/16/2025 1:52 PM Page 5

तहसील स्तर पर उपजिलाधिकारी लें नियमित अवैध खनन निरोधक दल की बैठक

चमोली (नजरिया खबर ब्यूरो)। जिलाधिकारी संदीप तिवारी की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला अवैध खनन निरोधक दल की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद में हो रहे अवैध खनन पर की जा रही कार्रवाई की समीक्षा की गई। उन्होंने सभी उप जिलाधिकारियों को तहसील स्तर पर अवैध खनन निरोधक दल की नियमित समीक्षा बैठक करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी कार्यालय में आयोजित बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने अवैध खनन को लेकर की गई कार्रवाई की समीक्षा करते हुए अर्थदण्ड के रुप में आरोपित धनराशि शीघ्र वसूली करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को जनपद में अवैध खनन पर प्रभावी रोक लगाने के लिए छापेमारी की कार्रवाई करने और तहसील स्तर पर नियमित बैठक कर रिर्पोट उपलब्ध कराने के आदेश दिए। वहीं उन्होंने अवैध खनन व भंडारण के लम्बित मामलों के निस्तारण के लिए नोटिस जारी कर नियमानुसार तत्काल कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए।

कक

जिला अवैध खनन निरोधक दल की बैठक में जिलाधिकारी ने दिए निर्देश

बैठक में जिला खान अधिकारी ने बताया कि जनपद में जनवरी से जून माह तक अवैध खनन व भंडारण के 38 मामलों में कार्रवाई की गई है। जिसके तहत नियमानुसार अवैध खनन करने वालों से 37 लाख 30 हजार 807 रुपए के अर्थदण्ड की वसूली की गई है। उन्होंने बताया कि जनपद में अवैध खनन पर प्रभावी रोक लगाने के लिए समय–समय पर छापेमारी की कार्रवाई की जा रही है। इस मौके पर पर सभी उप जिलाधिकारी वर्चुअल माध्यम से बैठक में उपस्थित रहे।

हरेला का त्योहार मनाओ, धरती मां का ऋण चुकाओ, एक पेड़ मां के नाम

नैनीताल (नजरिया खबर ब्यूरो)। राज्य में हरेला पर्व का शुभारंभ बुधवार 16 जुलाई से हो रहा है। हरेला पर्व के अवसर पर फलदार सहित विभिन्न प्रजाति के पौधों का रोपण किया जाएगा। यह अभियान 16 जुलाई से 15 अगस्त तक जन सहभागिता के साथ आयोजित किए जाएंगे।

जनपद नैनीताल में एक मांह तक चलने वाले हरेला पर्व पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर पौधे रोपे जाएंगे। इस संबंध में जानकारी देते हुए मुख्य विकास अधिकारी अनामिका ने अवगत कराया कि एक माह तक आयोजित होने वाले हरेला पर्व की थीम 'हरेला का त्योहार मनाओ, धरती मां का ऋण चुकाओ। एक पेड़ मां के नाम' सरकार द्वारा निर्धारित की गई है। इस अभियान के अंतर्गत जिले के सार्वजनिक स्थानों हरेला वनों,नदी, गधेरे तालाब, झीलों के किनारे विद्यालय, कॉलेज परिसरों विभिन्न पार्कों,आवासीय परिसरों आदि क्षेत्रों में वृहद रूप में पौधारोपण किया जाएगा। इस अभियान में विभिन्न विद्यालयों के छात्र–छात्राओं स्थानीय जनप्रतिनिधियों आम नागरिकों, संस्थाओं के साथ ही विभागीय अधिकारी व कर्मचारियों आदि के द्वारा पौधारोपण किए जाएंगे। कार्यक्रमों का आयोजन आम जनता के साथ ही विभिन्न सस्थानों आदि के सहयोग से कराए जाएंगे।

जनपद में हरेला पर्व के अंतर्गत मुख्य रूप से फलदार प्रजाति के 50ः पौधों को रोपित किया जाएगा तथा इनका रख रखाव स्थानीय ग्रामीणों, संबंधित लाभार्थियों वन पंचायत, महिला युवा मंगल दलों आदि के माध्यम से कराया जाएगा। इस अभियान में आम जनता को भी शामिल करने हेतु उनके सहभागिता भी ली जाएगी। मुख्य विकास अधिकारी ने अवगत कराया कि शासन के निर्देशानुसार हरेला पर्व को सफलतापूर्वक संपन्न कराए जाने एवं निर्धारित लक्ष्य के अनुसार शत प्रतिशत पौधों को रोपित किए जाने हेतु जनपद स्तर पर एक समिति का गठन किया गया है।

चमोली के मनोज बिष्ट की मौत के मामले में पुलिस ने छह लोगों को गिरफ्तार किया

चमोली (नजरिया खबर ब्यूरो)। चमोली जिले के नंदानगर के बांजबगड़ निवासी मनोज सिंह बिष्ट की मौत के मामले में पुलिस ने छह लोगों को गिरफ्तार कर उनसे पूछताछ की जा रही है। गौरतलब है कि नंदानगर विकास खंड के बांजबगड़ गांव निवासी मनोज 29 जून को गोविंदघाट–हेमकुंड साहिब के घांघरिया से लापता हो गया था।

14 दिन बाद पुलिस को उसका शव घांघरिया के जंगलों में एक पेड़ पर लटका मिला था। इस पर आक्रोशित क्षेत्रीय जनता ने सोमवार को जिला मुख्यालय गोपेश्वर में एक जुलूस प्रदर्शन के साथ ही जिला अस्पताल के गेट पर जाम लगा दिया था। इसके बाद पुलिस ने मामले में छह लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की ओर से मामले में गिरफ्तार किए गए लोगों में देवेंद्र सिंह चौहान, उसकी पत्नी पुष्पा देवी, बेटा संदेश चौहान, योगी, अधिकारी, प्रकाश शामिल है। पुलिस अधीक्षक चमोली ने कहा कि परिजनों की ओर से नामजद की गई रिपोर्ट के आधार पर सभी आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया है। जिनसे गहनता से पूछताछ की जा रही है। निष्पक्ष जांच की जा रही है और जो भी दोषी पाया जाएगा, उस पर कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। किसी भी तरह से सच्चाई को दबने नहीं दिया जाएगा।

लोड़िया गाड़-गदेरे में नहाने गये दो युवकों की डूबने से मौत

चमोली (नजरिया खबर ब्यूरो)। जनपद चमोली के अन्तर्गत नगर क्षेत्र गौचर के नजदीक बह रहे लोड़िया गाड़ गदेरे में नहाने गए दो छात्रों की डूबकर मौत हो गई है। जबकि स्थानीय लोगों व पुलिस के जवानों की मदद से तीन छात्रों को बचा लिया गया। मृतक बच्चे कक्षा नौ के छात्र बताए जा रहे हैं।

घटना थाना कर्णप्रयाग के तहत नगर क्षेत्र गौचर के समीप लोड़िया गाड़ गदेरे की है जहां सायं के वक्त पांच बच्चे नहाने गये। आरसी भट्ट, थानाध्यक्ष कर्णप्रयाग ने बताया कि सरस्वती विद्या मंदिर गौचर के छात्र दिव्यांशु विष्ट (13) निवासी ग्रेफ चोक, गौरव गुसाईं (13) निवासी डाट पुल (गौचर), अंशुल चौधरी निवासी द्रौणागिरि (गौचर), बाबी रावत निवासी घली बैंड (गौचर) और प्रियांशु बिष्ट निवासी श्रीकोट हाल गौचर सोमवार शाम ट्यूशन पढ़ने गये थे। और वहां से पांचों छात्र गौचर बाजार के पास बहने वाले बरसाती गदेरे में नहाने चले गये। पानी का बहाव का बहाव तेज होने से बच्चे बहने लगे। यह देखकर स्थानीय निवासियों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस और एसडीआरएफ ने स्थानीय निवासियों की मदद से अंशुल, बावी व प्रियांशु को बचा लिया गया, लेकिन दिव्यांशु व गौरव की मौत हो गई। उनके शव करीब 60 मीटर दूर मिले। अन्य तीन छात्र कक्षा 11 वीं में पढ़ते है। जिनका प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र गौचर में उपचार के बाद घर भेज दिया गया। वहीं इस हृदयविदारक घटना में मृतक दो छात्रों के शोक में सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज गौचर आज बन्द रहा।

पंचायत चुनाव में अड़ंगे डालकर मतदाताओं को अधिकार से वंचित करने की कोशिश में कांग्रेसः चौहान

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर सिंह चौहान ने कहा कि छोटी सरकार के गठन मे जिस तरह कांग्रेस तमाम तरह की बाधाएं उत्पन्न कर रही है उससे उसका असली चेहरा बेनकाब हो गया है। जनता उसे माफ नही करेगी।

मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि अदालत ने पंचायत चुनाव को लेकर निर्णय दिया है और निर्वाचन आयोग उसका पालन करेगा। लेकिन कांग्रेस की मंशा चुनाव मे सुधारात्मक नही बल्कि राजनीति से प्रेरित और हार की आशंका है।

कांग्रेस हमेशा नतीजों के बाद हार के बहाने तलाश करती रही है। जब मतदाता सूचि तैयार हो रही थी उस पर आपत्तियों का समय दिया गया तब कांग्रेस ने ना कोई आपत्ति दर्ज कराई ना ही कोई सुझाव दिए । और जब आरक्षण की प्रक्रिया शुरू हो रही थी तो कांग्रेस चुप्पी साधकर बैठी थी और आरक्षण का रोस्टर जारी होने के बाद भी चुप रही। चुनाव तिथि घोषित होने के बाद वह एकाएक सक्रिय हुई और तमाम हथकंडे शुरू हो गए। नामांकन और चुनाव चिन्ह आवंटन तक भी कांग्रेस मामले को लटकाने की कोशिश मे जुटी है। उन्होंने कहा कि इतना समय कांग्रेस जनता के बीच रहती तो उसे भ्रम और दुष्प्रचार का सहारा नही लेना पड़ता।

चौहान ने कहा कि प्रदेश मे चल रहे पंचायत चुनाव उत्तराखण्ड पंचायतीराज अधिनियम के तहत कराये जा रहे हैं, पंचायतीराज अधिनियम 2016 कांग्रेस सरकार द्वारा ही लाया गया उसी के अनुसार निर्वाचन आयोग चुनाव करा रहा है । लेकिन लगातार पंचायत चुनाव को टालने की असफल कोशिश करने वाली कांग्रेस अब उम्मीदवारों की पात्रता को लेकर भ्रामक दुष्प्रचार कर रही है जो कि गैर जिम्मेदाराना है। चौहान ने कहा कि निर्वाचन आयोग स्थिति स्पष्ट कर चुका है, लेकिन कांग्रेस सरासर झूठ परोस रही है। जबकि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा पात्रता के संबंध में कोई नये निर्देश जारी नहीं किये गए हैं। निर्वाचन आयोग स्पष्ट कर चुका है कि उत्तराखंड में पंचायत चुनाव पूर्ण रूप से उत्तराखण्ड पंचायतीराज अधिनियम, 2016 (यथासंशोधित) के प्रावधानों के अनुसार ही संपन्न कराए जाते हैं। राज्य निर्वाचन आयोग स्वयं इस अधिनियम के प्रावधानों से निर्देशित है और अन्य सभी को भी इन्हीं प्रावधानों का पालन करना अनिवार्य है। जो निर्देश हैं वे पूर्व से पंचायती राज अधिनियम में प्रविधानित हैं।अधिनियम में किसी भी उम्मीदवार के निर्वाचन हेतु मतदाता सूची में पंजीकरण, मताधिकार, और निर्वाचित होने के अधिकार के संबंध में स्थिति स्पष्ट रूप से उल्लेख है।

डीएम ने एमआरएफ एवं एसएलएफ सेंटरो के प्रगति की समीक्षा बैठक की

चमोली (नजरिया खबर ब्यूरो)। जिलाधिकारी संदीप तिवारी की अध्यक्षता में नगर निकायों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की समीक्षा बैठक जिलाधिकारी कार्यालय के वी.सी. कक्ष में आयोजित की गई। बैठक में जिले में एमआरएफ (मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी) एसएलएफ सेंटर(सैनिटरी लैंडफिल) की प्रगति की समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारियों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की दिशा में कार्यो में तेजी लाने और साफ–सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिशासी अधिकारी गोपेश्वर को एमआरएफ सेंटर के लिए मानको के अनुरूप भूमि चयन के निर्देश दिए । साथ ही पूर्व में चयनित भूमि का उपयोग में नहीं लाये जाने के कारण उसे राजस्व विभाग को वापस करने के निर्देश भी दिए।

कर्णप्रयाग नगर निकाय के अधिशासी अधिकारी द्वारा आवश्यक जानकारी उपलब्ध न कराने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई। वहीं, गौचर नगर निकाय के अधिशासी अधिकारी को एमआरएफ सेंटर के लिए एयरपोर्ट अथॉरिटी से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) लेकर एमआरएफ सेंटर तैयार करने निर्देश दिए गए। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी अधिशासी अधिकारियों को निर्देश दिए कि नगर क्षेत्रों में ठोस एवं गीले कूड़े का वैज्ञानिक निस्तारण अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाए।उन्होंने सभी निकायों को निर्देशित किया कि गंगा नदी के संरक्षण, नगरों की स्वच्छता एवं पर्यावरणीय संतुलन हेतु नियमित निरीक्षण और आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही सुनिश्चित करें।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डॉ अभिषेक त्रिपाठी, नमामि गंगे के कोऑर्डिनेटर गोविन्द बुटोला, समस्त अधिशासी अधिकारी और वी सी के माध्यम से सभी उपजिलाधिकारी मौजूद रहे।

'जिला पंचायत सदस्य पद के प्रत्याशियों को दिया आय-व्यय लेखा संबंधी प्रशिक्षण'

चमोली (नजरिया खबर ब्यूरो)। त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों को लेकर मुख्य कोषाधिकारी कार्यालय में जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशियों को आय–व्यय विवरण संबंधी प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान मुख्य कोषाधिकारी मामूर जहां ने प्रत्याशियों को निर्धारित प्रारुप में आय–व्यय का विवरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

कोषाधिकारी कार्यालय में आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान सहायक कोषाधिकारी सुरेंद्र वर्मा ने बताया कि राज्य चुनाव आयोग की ओर से जिला पंचायत सदस्य पद के प्रत्याशी के लिए व्यय की 2 लाख रुपये की सीमा निर्धारित की है। जिसके लिए प्रत्याशि को आय और व्यय को स्पष्ट विवरण प्रस्तुत करना होगा।

जिसके लिए प्रशिक्षण के दौरान बताए प्रारुप के अनुसार अपने आय–व्यय का विवरण प्रस्तुत करना होगा। इस मौके पर जिला पंचायत सदस्य पद के प्रत्याशी मौजूद थे।

सभी विभाग अपने विभागीय कार्यों का आउटपुट इंडिकेटर तैयार करें: मुख्य सचिव

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। मुख्य सचिव आनंद बर्धन ने सभी सचिवों के साथ सचिव स्तर की समीक्षा बैठक आयोजित करते हुए संबंधित विभागों को विभिन्न मुद्दों के संबंध में जरुरी दिशा–निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने सभी सचिवों को निर्देशित किया कि शहरी क्षेत्रों की ऐसी सभी बड़ी परियोजनाओं का विवरण तैयार करें जिनका अतिशीघ्र लोकार्पण अथवा शिलान्यास किया जाना हो। उन्होंने भारत सरकार से साझा किए जाने वाले विभिन्न विभागीय प्रकरणों का स्टेटस तैयार करने तथा उसको भारत सरकार को प्रेषित करने को कहा।

मुख्य सचिव ने विभागों के आउटपुट इंडिकेटर की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी विभाग अपने विभागीय कार्यों का आउटपुट इंडिकेटर तैयार करें। विभागीय कार्यों में नई तकनीक का समावेश अथवा किसी अभिनव प्रयोग से कितना सुधार हुआ है इसका तुलनात्मक विवरण तैयार करने को कहा। उन्होंने सभी सचिवों को अपने विभागीय कार्यों का वर्क प्लान बनाते हुए उसका अनुमोदन करवाने के भी निर्देश दिए। बैठक में प्रमुख सचिव आर के सुधांशु व एल एल फैनई, शैलेश बगोली, रविनाथ रमन, डॉ. पंकज कुमार पांडेय, दिलीप जावलकर, डॉ रंजीत कुमार सिन्हा, डॉ. श्रीधर बाबू अद्यंकी, चंद्रेश यादव, डॉ आर राजेश कुमार, दीपेंद्र कुमार चौधरी, विनोद कुमार सुमन, सी रविशंकर, रणवीर सिंह चौहान, धीरज सिंह गबरियाल सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

बारिश के चलते देवप्रयाग में हुआ भारी भूस्खलन

पौड़ी (नजरिया खबर ब्यूरो)। उत्तराखंड में लगातार हो रही बारिश ने जनजीवन को प्रभावित करना शुरू कर दिया है। राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों में बारिश के कारण भूस्खलन होने से बार–बार मोटर मार्ग अवरुद्ध हो रहे हैं। वहीं पहाड़ दरकने से लोगों की जान पर खतरा भी मंडरा रहा है। इसी तरह टिहरी जिले के देवप्रयाग में पहाड़ से भूस्खलन हुआ है। भूस्खलन का भयावह वीडियो भी सामने आया है।

भूस्खलन से आये पत्थर।

संगम नगरी देवप्रयाग में सोमवार को भारी बारिश के चलते भीषण भूस्खलन हुआ। संगम क्षेत्र से सटे पौड़ी बाह बाजार में पहाड़ी दरकने से भारी मात्रा में मलबा सड़क पर आ गया, जिसकी चपेट में आने से दो लोग घायल हो गए। पहाड़ी से बड़े–बड़े बोल्डर गिरने से एक गौशाला, एक मकान और दो वाहनों को नुकसान पहुंचा है। तस्वीरों में आप साफ तौर पर देख सकते कि अचानक पहाड़ियों से पत्थरों की बारिश शुरू हो गई। शुरु में छोटे–छोटे पत्थर आने शुरू हुई और उसके बाद अचानक बड़े–बड़े बोल्डर गिरने लगे। इस पूरी घटना को दूसरी तरफ रहने वाले लोगों ने अपने कमरे में कैद कर लिया। घटना की सूचना मिलते ही लोक निर्माण विभाग और आपदा प्रबंधन की टीम मौके पर पहुंची और राहत–बचाव कार्य शुरू कर दिया। घायलों को उपचार के लिए स्थानीय अस्पताल भेजा गया है।

विश्व की सबसे ऊंची चोटी एवरेस्ट पर उत्तरकाशी के सुमित कुमार ने विजय प्राप्त की, किया सम्मानित

उत्तरकाशी (नजरिया खबर ब्यूरो)। मैं जब कक्षा पांच का छात्र था ,तब मै पढा करता था कि विश्व. की सबसे ऊंची चोटी एवरेस्ट पर विजय प्राप्त करने वाले लोगों में सब प्रथम तिनजिंग नरगो थे। तब मै सोचा करता था आखिर इतनी ऊंची एवरेस्ट की चोटी पर कैसे चढा जाता होगा ? ये बात उत्तरकाशी के 16 वर्षीय एवरेस्ट विजेता सुमित कुमार ने कही।

ज्ञात हो सुमित ने 15 मई 2025 को विश्व की सर्वाधिक ऊंची चोटी एवरेस्ट पर विजय प्राप्त की। सुमित के अपने विधालय पीएम श्री राजकीय किंति इंटर कालेज उत्तरकाशी में आयोजित सम्मान समारोह में सहपाठियों के साथ कही । इस सम्मान समारोह मे अपने अनूभवों को सहपाठीयों के साथ साझा करते हुए ,एवरेस्ट अभियान में आयी चुनौतीयों व कठिनाईयों का भी जिक्र भी किया। अपने ही विधालय मे सम्मान पाकर एवरेस्ट विजेता सुमित बहुत ही खुश दिखाई पड रहा था । छात्र सुमित एनसीसी कैडेट भी था । चूंकि ये एवरेस्ट अभियान आर्थिक रूप से खर्चिला अभियान होता है ।ऐसे में सुमित जो कि एक निम्न मध्म परिवार आता हैं। उसके लिए खर्च बाहन करना संभव न था । इसके चलते एवरेस्ट समिट के लिए प्रयोजकों की आवश्यकता पड़ती है । इस परिणाम एवरेस्ट विजय के रूप मे सामने दिखाई पड रहा है ।

सुमित के पिता कुवर सिहं विकास खंड डुंडा के भालसी पुजारगॉव के निवासी है । पशु चिकित्सालय मनेरी में सहायक के पद संविदा पर कार्यरत है । यह भी ज्ञात रहे कि सुमित से पूर्व भारत की प्रथम महिला एवरेस्ट विजेता सुश्रीबचेंद्रीपाल डुंडा विकास खंड के नाकुरी गांव निवासी थी । सयोग सें वह भी इस ही विधालय की छात्रा रही हैं । इस अवसर पर विधालय के प्रधानाचार्य लोकेंद्र पाल परमार ने छात्र सुमित को सम्मानित करते हुये प्रशंसा की । छात्रों से सुमित एवरेस्ट विजय अभियान से प्रेरणा लेने की बात कहीं ।

छात्र भी एवरेस्ट विजेता सुमित को अपने बीच पाकर प्रसन्न दिखाई दे रहे थे। इस अवसर पर कार्यक्रम मे शिक्षक धशिक्षिका ,वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी अकलानंद भट्ट, सुमित के परिजन भी उपस्थित रहे । कार्यक्रम का संचालन शिक्षक पुरस्कार प्राप्त शिक्षक शैलेन्द्र प्रसाद नौटियाल ने किया।

बॉलीवुड फिल्म '5 सितंबर' होगी 18 जुलाई को रिलीज

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। केएसएम फिल्म प्रोडक्शन्स ने देहरादून में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अपनी बहुप्रतीक्षित बॉलीवुड फिल्म 5 सितंबर की रिलीज की घोषणा करी। यह फिल्म 18 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

इस फिल्म की शूटिंग लोकेशन, स्थानीय कलाकार, तकनीकी टीम, संगीत और कथा के गहरे स्थानीय जुड़ाव जैसी खासियतों की वजह से यह उत्तराखंड की सबसे बड़ी फिल्म मानी जा रही है। फिल्म में संजय मिश्रा, कुनाल शमशेर मल्ला, अतुल श्रीवास्तव, विक्टर बैनर्जी, कविन दवे, सारिका सिंह दवे, बृजेन्द्र काला, किरन दुबे, मलीहा मल्ला, ऋषभ खन्ना और उत्तराखंड के कई प्रतिभाशाली स्थानीय कलाकार नजर आएंगे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में कुनाल शमशेर मल्ला (निर्देशक, निर्माता, सह–लेखक, अभिनेता और गायक), अनुराधा पुंडीर मल्ला (फिल्म की सह–लेखिका), मलीहा मल्ला (मुख्य भूमिका और गायिका), और ऋषभ

पत्रकार वार्ता के दौरान फिल्म के निर्देशक कुनाल शमशेर मल्ला व अन्य।

खन्ना (प्रमुख भूमिका) उपस्थित रहे। कुनाल शमशेर मल्ला, जो शिक्षा और सिनेमा दोनों में एक जाना–पहचाना नाम हैं, ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, "यह सिर्फ एक फिल्म नहीं है, यह शिक्षकों, छात्रों और उत्तराखंड को समर्पित एक श्रद्धांजलि है।

हर फ्रेम यहीं फिल्माया गया है, स्थानीय प्रतिभाओं को मंच दिया गया है और हमारी संस्कृति को कहानी में समाहित किया गया है। हम हमेशा से एक ऐसी फिल्म बनाना चाहते थे जो जमीनी, सच्ची और साथ ही विश्व स्तर पर भावनात्मक रूप से जुड़ाव रखने वाली हो।" फिल्म की कहानी दून घाटी में बसे एक स्कूल के इर्द–गिर्द घूमती है, जहां छात्रों और शिक्षकों के बीच के रिश्तों, बढ़ती उम्र के दबावों और एक प्रतीकात्मक फुटबॉल मैच को केंद्र में रखते हुए अंतिम स्कूल वर्ष की यात्रा को दर्शाया गया है। अनुराधा पुंडीर मल्ला ने सह–लेखन को लेकर कहा, "हमने स्कूल जीवन की भावनात्मक यात्रा को दिखाने का प्रयास किया है दृ दोस्ती, दबाव, दिल टूटने और आत्मविजय जैसे अनुभवों को। स्कूल के अंतिम वर्ष, जो हमारे जीवन को गहराई से आकार देता है, उसी को हमने संवेदनशीलता से चित्रित किया है।" 5 सितंबर पहले ही अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी पहचान बना चुकी है, और अब तक 20 नामांकन और 40 पुरस्कार विश्वभर के प्रतिष्ठित फिल्म समारोहों में जीत चुकी है। यह एकमात्र बॉलीवुड फिल्म है जिसमें दो गढ़वाली गीत शामिल हैं कृ यह क्षेत्र की भाषाई और सांस्कृतिक पहचान के लिए एक गौरवपूर्ण क्षण है। मलीहा मल्ला ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, "इस फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास रहा। एक भावनात्मक किरदार निभाने और फिल्म के लिए गाने का मौका मिलना मेरे लिए सीखने का एक शानदार अनुभव रहा।" अभिनेता ऋषभ खन्ना ने कहा, "5 सितंबर मेरे लिए एक रूपांतरणकारी अनुभव रहा। एक ऐसी कहानी का हिस्सा बनना जो इतनी भावनात्मक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध हो, और पूरी फिल्म उत्तराखंड में शूट की गई हो दृ यह मेरे अभिनय जीवन का एक अविस्मरणीय अध्याय बन गया।"

एचडीएफसी बैंक ने 7.2 लाख से अधिक युवाओं को प्रशिक्षित किया

देहरादून। एचडीएफसी बैंक ने विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर बैंक के सीएसआर कार्यक्रम परिवर्तन की शुरुआत से अब तक पूरे भारत में 7.2 लाख से अधिक युवाओं को प्रशिक्षित किए जाने की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि पर प्रकाश डाला है। बैंक के पास वर्तमान में विभिन्न राज्यों में कौशल विकास के क्षेत्र में 70 से अधिक सक्रिय परियोजनाएँ हैं, जो आईटी, आईटीईएस, खुदरा, स्वास्थ्य सेवा, विनिर्माण और कृषि सहित कई क्षेत्रों को कवर करती हैं। एचडीएफसी बैंक परिवर्तन की कौशल पहल आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गोवा, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, केरल, लक्षद्वीप, महाराष्ट्र, मिजोरम, ओडिशा, पंजाब, यूपी, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में फैली हुई है। कौशल विकास और आजीविका संवर्धन, बैंक के परिवर्तन कार्यक्रम का एक प्रमुख केंद्र बिंदु है, जो सभी सीएसआर पहलों के लिए इसका अम्ब्रेला ब्रांड है।

नए एक्सेसरी पैकेज के रूप में छह एयरबैग वाले प्रेस्टीज एडिशन की घोषणा की

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने अपनी हैचबैक, टोयोटा ग्लैंजा में दो महत्वपूर्ण अपडेट की घोषणा की। इसका उद्देश्य सुरक्षा को और मजबूत करना तथा समग्र ग्राहक मूल्य को बढ़ाना है।

सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए, टोयोटा ग्लैंजा के सभी वेरिएंट अब मानक तौर पर छह एयरबैग से युक्त होंगे, जो चालक और यात्रियों, दोनों के लिए व्यापक सुरक्षा प्रदान करेंगे। अपनी प्रीमियम स्टाइलिंग और पूरी तरह से तकनीकी विशेषताओं से भरपूर, टोयोटा ग्लैंजा पहली बार कार खरीदने वालों, युवा पेशेवरों और शहरी यात्रियों के बीच एक पसंदीदा विकल्प बनी हुई है। अपने स्टाइलिश डिजाइन, ईंधन दक्षता और परेशानी मुक्त स्वामित्व के लिए दिल जीतने वाली, ग्लैंजा में छह एयरबैग मानक तौर पर होने से इसकी अपील और मजबूत होने की उम्मीद है, साथ ही हर ग्राहक के लिए मानसिक शांति सुनिश्चित होगी।

स्वामित्व के अनुभव को और समृद्ध बनाने के लिए, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने सीमित अवधि के लिए एक प्रेस्टीज पैकेज भी पेश किया है, जो सोच–समझकर तैयार किया गया एक्सेसरी बंडल है। इसे ग्लैंजा की स्टाइल, आराम और रोजमर्रा की सुविधा को और बेहतर बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। 20 जून से 31 जुलाई 2025 तक उपलब्ध, प्रेस्टीज पैकेज में डीलर द्वारा फिट की गई एक्सेसरीज शामिल हैं।

कांवड़ियों ने हरकी पैड़ी के पास जमकर मचाया उत्पात

हरिद्वार (नजरिया खबर ब्यूरो)। कांवड़ यात्रा शुरू होते ही कांवड़ियों के उत्पात की खबरें सामने आने लगी थी। छोटी–छोटी बातों पर कांवड़िए अपना आपा खो दे रहे हैं। कांवड़ियों की इन्हीं हरकतों के कारण कई बार तो पुलिस को भी सख्ती के साथ काम लेना पड़ रहा है। नया मामला भी हरिद्वार जिले से ही सामने आया है। बताया जा रहा है कि हरकी पैड़ी क्षेत्र में ही शिव विश्राम गृह के पास कांवड़ियों का किसी बात पर विवाद हो गया, जिसके बाद कांवड़ियों ने वहां जमकर हंगामा किया और दुकान में तोड़फोड़ भी की।

जानकारी के मुताबिक कांवड़ियों के उत्पात मचाने की ये घटना कल देर रात की है। बताया जा रहा है कि कांवड़ियों की किसी बात पर कहासुनी हो गई थी, जिसके बाद कांवड़ियों ने

उत्पात मचाते कांवड़िए।

गुस्से में आकर चश्मे की दुकान को पूरी तरह से तोड़ दिया। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है।

इस घटना के बारे में ज्यादा जानकारी देते हुए हरिद्वार हरकी पैड़ी चौकी इंचार्ज संजीत कंडारी ने बताया कि देर रात कांवड़ियों के द्वारा दुकान में तोड़फोड़ की सूचना मिली थी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस भी तुरंत मौके पर पहुंची और उत्पात मचा रहे कांवड़ियों को तुरंत हिरासत में लिया। पुलिस ने बताया कि अभी तक दुकानदार की तरफ से उन्हें कोई शिकायत नहीं मिली है। दुकानदार की शिकायत के आधार पर ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

टेक्नोलॉजी कंपनी नथिंग ने क घोषणा, नथिंग फोन (3) और हेडफोन (1) की बिक्री भारत में शुरू

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। लंदन स्थित टेक्नोलॉजी कंपनी नथिंग ने घोषणा की है कि दो प्रमुख उत्पाद 15 जुलाई दोपहर 12 बजे से पूरे भारत में बिक्री के लिए उपलब्ध हैं–नथिंग फोन (3), इसका पहला ट्रू फ्लैगशिप स्मार्टफोन, और नथिंग हेडफोन (1), इसका पहला ओवर–ईयर ऑडियो उत्पाद है।

दोनों उत्पाद, सुविचारित डिजाइन और बोल्ड इनोवेशन के साथ उपभोक्ता तकनीक को नए सिरे से परिभाषित करने के नथिंग के दृष्टिकोण को दर्शाते हैं।

नथिंग फोन (3) में प्रो–ग्रेड ट्रिपल

कैमरा सिस्टम है, जिसमें कम रोशनी वाले शॉट्स के लिए एक श्रेणी–अग्रणी 1/1.3 मुख्य सेंसर, लॉसलेस ऑप्टिकल जूम और पूर्ण ऑप्टिकल इमेज स्टेबिलाइजेशन के साथ सभी लेंसों पर सिनेमैटिक 4 के 60एफपीएस वीडियो शामिल है।

रेवोल्यूशनरी ग्लिफ मैट्रिक्स उपयोगकर्ताओं को एक नजर में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त करने और फ्लिप टू रिकॉर्ड और ग्लिफ टॉयज जैसे मनोरंजक अनुभवों का आनंद लेने की सुविधा देता है।

नथिंग हेडफोन (1) ओवर–ईयर ऑडियो श्रेणी में नथिंग के प्रवेश का प्रतीक है। केईएफ के सहयोग से विकसित, यह एक्सप्रेसिव डिजाइन और सटीक इंजीनियरिंग का संयोजन है। कस्टम 40 मिमी डायनामिक ड्राइवर से लेकर हेड ट्रैकिंग के साथ रियल–टाइम स्पैटियल ऑडियो तक, यह एक गहन इमर्सिव सुनने का अनुभव प्रदान करता है। नथिंग फोन (3) काले और सफेद रंग में उपलब्ध है, दो कॉन्फिगरेशन वेरिएंट के साथ आता है।

इसकी कीमत क्रमश 62,999 रुपये और 72,999 रुपये से शुरू है। हेडफोन (1) भारतीय बाजार में 21,999 रुपये में काले और सफेद रंग में उपलब्ध है और उपभोक्ता 19,999 रुपये की विशेष शुरुआती लॉन्च कीमत का भी लाभ उठा सकते हैं, जो केवल 15 जुलाई, 2025 तक मान्य है।

सीएम ने पर्यटन विभाग की 'गेम चेंजर योजनाओं' की वर्चुअल समीक्षा की

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को पर्यटन विभाग की 'गेम चेंजर योजनाओं' की वर्चुअल समीक्षा की। जिसमें पर्यटन नीति–2023 के तहत राज्य में हो रहे निजी निवेश, ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने वाले कार्यक्रमों और स्वरोजगार से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई।

समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि पर्यटन नीति लागू होने के बाद हुए कुल निजी निवेश, एम.ओ.यू. की स्थिति एवं उनकी ग्राउंडिंग और विभिन्न पर्यटन योजनाओं में हुए निवेश का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया जाए। उन्होंने कहा कि पर्यटन केवल पर्यटकों की संख्या बढ़ाने का नहीं, बल्कि आर्थिक सशक्तिकरण, स्थानीय रोजगार सृजन और पलायन रोकने का माध्यम है।

सीएम पुष्कर सिंह धामी।

मुख्यमंत्री ने शीतकालीन पर्यटन के प्रचार–प्रसार और यात्रियों की सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य का भविष्य पर्यटन आधारित समावेशी विकास में निहित है, जिसे सरकार प्राथमिकता से आगे बढ़ा रही है। मुख्यमंत्री ने मसूरी और नैनीताल सहित सभी बड़े टूरिस्ट स्पॉट की कैरिंग कैपेसिटी का आकलन किए जाने के साथ नए टूरिस्ट डेस्टिनेशन विकसित करने पर ध्यान देने को कहा। मुख्यमंत्री ने पर्वतीय क्षेत्रों में अधिक से अधिक स्थानीय परिवारों को होम स्टे से जोड़ने, तकनीकी व वित्तीय सहायता सुनिश्चित करने तथा ट्रैकिंग रूट्स के निकट स्वरोजगार को बढ़ावा देने हेतु 'ट्रैकिंग ट्रैक्शन सेंटर होम–स्टे अनुदान योजना' को तेजी से क्रियान्वित करने के निर्देश दिए। उन्होंने 'वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली पर्यटन स्वरोजगार योजना' की भी समीक्षा की और युवाओं को समयबद्ध ढंग से ऋण व अनुदान उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने योजना से प्रेरित युवाओं, होम स्टे से जुड़े गांवों और पलायन में आई कमी का मूल्यांकन भी आवश्यक बताया। मुख्यमंत्री ने 'गोल्जू कॉरिडोर' (अल्मोड़ा, चम्पावत, घोड़ाखाल) के मास्टर प्लान के अंतर्गत कार्य प्रारंभ करने एवं रुद्रप्रयाग के धार्मिक स्थलों को एकीकृत पर्यटन सर्किट के रूप में विकसित करने के भी निर्देश देते हुए माउंटेन बाइकिंग, पैराग्लाइडिंग, एयरो स्पोर्ट्स, रिवर राफ्टिंग जैसी गतिविधियों के नियमित संचालन हेतु योजना तैयार करने, प्रचार–प्रसार हेतु विशेष बजट प्रस्तावित करने एवं स्थलों की वहन क्षमता का आकलन करने पर बल दिया। मुख्यमंत्री ने विवाह पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु संभावित स्थलों की पहचान एवं प्रचार–प्रसार के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। 'मुख्यमंत्री ने कहा कि 'गेम चेंजर योजनाएं' न केवल पर्यटन को बढ़ावा दे रही हैं, बल्कि राज्य के नागरिकों, विशेषकर महिलाओं और युवाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बना रही हैं। उन्होंने सभी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, अनुदानों के पारदर्शी वितरण और प्राप्त निवेश को जमीनी लाभ में बदलने के निर्देश दिए। सीमावर्ती क्षेत्रों में 'वाइब्रेंट विलेज योजना' के विस्तार की रणनीति तैयार करने एवं पंचायत स्तर पर थीम–आधारित 'टूरिज्म विलेज' विकसित करने पर भी बल दिया गया।

बागेश्वर में जंगली मशरूम खाने से सास की मौत, बहू की हालत नाजुक

बागेश्वर (नजरिया खबर ब्यूरो)। कपकोट क्षेत्र के अंतिम गांव कुंवारी में जंगली मशरूम खाने से एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। जबकि, उसकी बहू की हालत गंभीर बनी हुई है। जिसका अभी उपचार चल रहा है। इस घटना के बाद ग्रामीणों में हड़कंप मचा हुआ है।

जानकारी के मुताबिक कुंवारी गांव की धनुली देवी अपनी बहू कविता देवी के साथ खेतों में काम कर रही थीं। इसी दौरान उन्हें खेतों में कुछ जंगली मशरूम मिले, जिन्हें उन्होंने तोड़कर घर लाकर सब्जी बनाई और रोटी के साथ खा लिया। खाना खाने के कुछ देर बाद ही दोनों की तबीयत बिगड़ने लगी। हालत गंभीर होने पर ग्रामीणों ने तत्काल प्राथमिक उपचार दिया, लेकिन जहरीला मशरूम खाने के चलते बुजुर्ग धनुली देवी की हालात और बिगड़ गई। कुछ ही देर में ही उसकी मौत हो गई। वहीं, बहू कविता देवी की गंभीर हालत को देखते हुए उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। जहां उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। जंगली मशरूम खाने से महिला की मौत की घटना के बाद से जिला प्रशासन में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके के लिए रवाना हो गई। मामले में कपकोट थानाध्यक्ष खुशवंत सिंह ने बताया कि पुलिस टीम को आवश्यक कार्रवाई के लिए गांव भेज दिया गया है।

बंधन एएमसी निवेशकों की सेवा के 25 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहा

देहरादून। बंधन एएमसी लिमिटेड, देश की प्रमुख एसेट मैनेजमेंट कंपनियों में से एक, भारतीय म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में 25 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रही है। बंधन एएमसी का इतना लंबा सफर विश्वास, इनोवेशन और बचतकर्ताओं को निवेशक बनने में मदद करने की अटूट प्रतिबद्धता पर आधारित एक विरासत का प्रतीक है। अपने निवेशकों और साझेदारों के साथ इस उपलब्धि को सांझा करने के लिए, बंधन एएमसी ने श्राजू भैया की कहानी, को पेश किया है। राजू भैया की कहानी, एक पुरानी यादों से भरी, संगीतमय फिल्म जो कई लोगों के लिए एक–जाने पहचाने सफर को दर्शाती है बचत से लेकर आत्मविश्वास के साथ निवेश करने तक।

न्यूज डायरी

सैनिक कल्याण मंत्री ने किया आह्वान, हरेला पर्व पर पूर्व सैनिक लगाएं दो लाख पौधे

देहरादून। प्रदेशभर के पूर्व सैनिकों से आव्हान करते हुए सैनिक कल्याण मंत्री ने कहा कि वे हरेला पर्व के वृक्षारोपण अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाएं और पर्यावरण संरक्षण में अग्रणी भूमिका निभाएं। इस बाबत उन्होंने पूर्व सैनिकों के साथ हरेला पर्व के संबंध में बैठक की। सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि इस बार हरेला पर्व के अवसर पर पूर्व सैनिकों द्वारा प्रदेशभर में दो लाख से अधिक पौधे रोपे जाएंगे। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की इस पारंपरिक पर्व को न केवल सांस्कृतिक पहचान से जोड़ना है, बल्कि इसे हरियाली और पर्यावरण जागरूकता का सशक्त माध्यम भी बनाना है। इस दौरान सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने 16 जुलाई को हरेला पर्व के अवसर पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रमों में अधिक से अधिक संख्या में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने का आव्हान भी किया। उन्होंने कहा कि यह अभियान सामाजिक चेतना, पर्यावरण सरंक्षण और राष्ट्र सेवा का प्रतीक बनेगा। मंत्री ने कहा कि पूर्व सैनिकों ने राष्ट्र की रक्षा के लिए जो सेवा दी है, अब उसी समर्पण भाव से वे प्रकृति की रक्षा के लिए भी आगे आ रहे हैं।

बिना इजाजत खरीदी संपत्ति तो होगी कार्रवाई: आनंद बर्धन

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। उत्तराखंड में जीरो टॉलरेंस का धामी सरकार संदेश देती रही है। लेकिन अक्सर लोक सेवकों के भ्रष्टाचार के मामले भी चर्चाओं में आते रहे हैं। जाहिर है कि सरकार के लिए ये स्थिति मुफीद नहीं रही है। शायद यही कारण है कि अब मुख्य सचिव आनंद वर्धन ने एक आदेश जारी कर लोक सेवकों को राज्य कर्मचारी आचरण नियमावली 2002 की याद दिलाई है।

उत्तराखंड के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश है कि वह यदि किसी भी नई संपत्ति को खरीदते हैं तो उसकी जानकारी शासन को देनी होगी। यही नहीं इस दौरान उन्हें यह भी बताना

होगा कि जिस संपत्ति को खरीदने के लिए उन्होंने जितना भी पैसा खर्च किया है, उसका सोर्स ऑफ इनकम क्या था।

मुख्य सचिव आनंद वर्धन के इस पत्र से यह स्पष्ट है कि कर्मचारी आचरण नियमावली 2002 का पालन किसी न किसी स्तर पर नहीं हो रहा था और इसलिए मुख्य सचिव को सभी अधिकारियों के लिए ऐसा पत्र लिखना पड़ा। मुख्य सचिव आनंद वर्धन ने सोमवार को लिखे इस पत्र में स्पष्ट किया कि दिए गए नियमों का पालन सभी को करना होगा और ऐसा नहीं करने वालों के खिलाफ नियम का कार्रवाई भी होगी। आदेश में यह भी स्पष्ट है कि अधिकारियों को समय–समय पर अपनी वार्षिक चल अचल संपत्ति का ब्यौरा भी देना होगा। हालांकि यह पहले से ही नियम में है कि सभी अधिकारियों को वार्षिक रूप से अपनी चला चल संपत्ति की घोषणा करनी होती है। पहली नियुक्ति के समय और उसके बाद हर 5 साल की अवधि बेचने पर सभी अधिकारियों को सामान्य रूप से नियुक्ति करने वाले प्राधिकारी को अपनी चल चल संपत्ति की घोषणा करनी होती है।

पेज 01 का शेष...

राज्यपाल ने हरिद्वार पहुंचकर कांवड़ यात्रा पर आये श्रद्धालुओं को रूद्राक्ष की माला पहनाकर स्वागत किया

इस विषय पर विस्तार से चर्चा हुई। इस दौरान जिलाधिकारी मयूर दीक्षित, एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल एसपी जितेन्द्र मेहरा सहित सभी अधिकारियों द्वारा कांवड़ यात्रा से जुड़े अनुभव, चुनौतियों आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। एएसपी जितेन्द्र चौधरी द्वारा पॉवर पॉइन्ट प्रजेन्टेशन के माध्यम से कांवड़ यात्रा मार्ग, रूट प्लान सहित श्रद्धालुओं हेतु की गई विभिन्न व्यवस्थाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने डामकोठी में तन्मयता से कार्य कर रहे बावर्ची सुरेश रावत प्रोत्साहित एवं सम्मानित किया। उन्होंने प्रेसवार्ता के दौरान कहा कि हर उत्तराखंडी के लिए ये सौभाग्य की बात है कि इस पवित्र सावन के महीने में कांवड यात्रा के लिए आए श्रद्धालुओं को देख कर बहुत खुशी हो रही है, क्योंकि उनकी जो भक्ति, सेवा और समर्पण है, अपने आप में अलग ही स्टैंडर्ड का है। खुशी है कि शासन, प्रशासन ने जो प्लानिंग व मेहनत की थी उसका आज फल मिल रहा है, पूरे कांवड़ यात्रा का संचालन बहुत सुंदर तरीके से चल रहा है। हमारे लिए सबसे बड़ा ये चौलेंज होता है कि इतने कम दिनों के अंदर बहुत ज्यादा संख्या में श्रद्धालु आते हैं।

स्वत्वाधिकारी नजरिया खबर के लिए स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक गीता जायसवाल द्वारा श्रेष्ठा प्रिन्टर्स, वार्ड नं.03,पो.ओ. लालकुंआ जिला–नैनीताल, उत्तराखण्ड से मुद्रित तथा 14–डी मीडो प्लाजा, प्रथम तल राजपुर रोड देहरादून, उत्तराखंड से प्रकाशित सम्पादक : विजय जायसवाल फोन नं. – 0135&2740930, 9837027458 RNI NO: UTTHIN/2008/25052 प्रकाशन सम्बन्धी सभी विवादों का निस्तारण सिर्फ देहरादून न्यायालय होगा। E-mail: nazariakhabar@gmail.com
Website : www.nazariyakhabar.com डाक पंजीयन: UA/DO/DDN/402/2017-19